

**God Is Love**

God Is - (# 2)

**February 28, 2021**

**TEXT:** 1 John 3:1-11

**KEY VERSE:** John 3:16

**John 3:16** For God so loved the world, that he gave his only begotten Son, that whosoever believeth in him should not perish, but have everlasting life.

**Love never fails. Love never changes.  
God is love.**

1) Love Is \_\_\_\_\_.

2) Love Is \_\_\_\_\_.

3) Love Destroys \_\_\_\_\_.

4) Love Is \_\_\_\_\_.

**Text:**  
1 John 3:1-11

**Key Verse:**  
John 3:16

4

1

---

---

---

---

---

---

---

---

**Key Verse:** For God so loved the world,  
that he gave his  
only begotten Son,  
that whosoever believeth  
in him should not perish,  
but have everlasting life.  
(John 3:16)

5

2

---

---

---

---

---

---

---

---

God loves us so much,  
He said He would  
never forget us.

6

3

---

---

---

---

---

---

---

---

**15 Can a woman forget her sucking child,  
that she should not have compassion  
on the son of her womb?  
yea, they may forget,  
yet will I not forget thee.  
16 Behold, I have graven thee  
upon the palms of *my* hands;  
thy walls *are* continually before me.  
(Isaiah 49:15-16)**

7

4

---

---

---

---

---

---

---

---

***God Is Love***  
***God Is – (# 2)***

8

5

---

---

---

---

---

---

---

---

**God loves us.**

9

6

---

---

---

---

---

---

---

---

**Love never fails.  
Love never changes.  
God is love.**

7

---

---

---

---

---

---

---

---

**1) Love Is Sacrificial.**

8

---

---

---

---

---

---

---

---

**Behold, what manner  
of love the Father  
hath bestowed upon us,  
that we should be called  
the sons of God:  
therefore the world  
knoweth us not,  
because it knew him not.  
(1 John 3:1)**

9

---

---

---

---

---

---

---

---

**God loved us so much  
that He gave His  
only begotten Son.**

43

10

---

---

---

---

---

---

---

---

**Behold what manner of  
love the Father hath  
bestowed upon us.**

44

11

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jesus loved us enough  
to die for us.**

45

12

---

---

---

---

---

---

---

---

**12 This is my commandment,  
That ye love one another,  
as I have loved you.  
13 Greater love hath  
no man than this,  
that a man lay down  
his life for his friends.  
(John 15:12-13)**

46

13

---

---

---

---

---

---

---

---

**I am crucified with Christ:  
nevertheless I live;  
yet not I, but Christ liveth in me:  
and the life which I now live in the flesh  
I live by the faith of the Son of God,  
who loved me, and gave himself for me.  
(Galatians 2:20)**

47

14

---

---

---

---

---

---

---

---

**But God commendeth  
his love toward us, in that,  
while we were yet sinners,  
Christ died for us.  
(Romans 5:8)**

48

15

---

---

---

---

---

---

---

---

To love like God,  
is to sacrifice.

49

16

---

---

---

---

---

---

---

---

***References:***

1 John 4:9-10

4:

17

---

---

---

---

---

---

---

---

1) Love Is Sacrificial.  
2) Love Is Sinless.

4:

18

---

---

---

---

---

---

---

---

**And ye know that he was  
manifested to take away our sins;  
and in him is no sin.  
(1 John 3:5)**

4<

19

---

---

---

---

---

---

---

---

**Love does not sin.**

53

20

---

---

---

---

---

---

---

---

**Love does not  
cause others to sin.**

54

21

---

---

---

---

---

---

---

---



**Finally, brethren, farewell.  
Be perfect, be of good comfort,  
be of one mind, live in peace;  
and the God of love and peace  
shall be with you.  
(2 Corinthians 13:11)**

55

22

---

---

---

---

---

---

---

---

**God's children  
walk in love,  
without sin.**

56

23

---

---

---

---

---

---

---

---

**Be ye therefore perfect,  
even as your Father  
which is in heaven is perfect.  
(Matthew 5:48)**

57

24

---

---

---

---

---

---

---

---

***References:***

**Philippians 4:8**

**1 John 4:13**

58

25

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) Love Is Sacrificial.**
- 2) Love Is Sinless.**
- 3) Love Destroys  
Devilish Works.**

59

26

---

---

---

---

---

---

---

---

**He that committeth sin is of the devil;  
for the devil sinneth from the beginning.  
For this purpose the  
Son of God was manifested,  
that he might destroy  
the works of the devil.  
(1 John 3:8)**

5:

27

---

---

---

---

---

---

---

---

**Love is hard at work,  
destroying the works  
of the devil.**

57

28

---

---

---

---

---

---

---

---

**9 Let love be without dissimulation.  
Abhor that which is evil;  
cleave to that which is good.  
10 Be kindly affectioned  
one to another with brotherly love;  
in honour preferring one another;  
(Romans 12:9-10)**

58

29

---

---

---

---

---

---

---

---

**Allow the Holy Spirit  
to lead you,  
so you will walk in love,  
resist the Devil, and  
lead others to the Lord.**

63

30

---

---

---

---

---

---

---

---

**7 Submit yourselves therefore to God.**

**Resist the devil,  
and he will flee from you.**

**8 Draw nigh to God,  
and he will draw nigh to you.**

**Cleanse *your* hands, ye sinners;  
and purify *your* hearts,  
ye double minded.**

**(James 4:7-8)**

64

31

---

---

---

---

---

---

---

---

**Speak out against sin.**

65

32

---

---

---

---

---

---

---

---

**Herein is our love made perfect,  
that we may have boldness  
in the day of judgment:**

**because as he is,  
so are we in this world.**

**(I John 4:17)**

66

33

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) Love Is Sacrificial.
- 2) Love Is Sinless.
- 3) Love Destroys Devilish Works.
- 4) Love Is For Everyone.

67

34

---

---

---

---

---

---

---

---

**For this is the message  
that ye heard from the beginning,  
that we should love one another.  
(1 John 3:11)**

68

35

---

---

---

---

---

---

---

---

**If the love you have  
isn't for everyone,  
then it isn't love.**

69

36

---

---

---

---

---

---

---

---

**God's love  
works every time.**

6:

37

---

---

---

---

---

---

---

---

**God's love is the love  
that His children have.**

6:

38

---

---

---

---

---

---

---

---

**43 Ye have heard that it hath been said,  
Thou shalt love thy neighbour,  
and hate thine enemy.  
44 But I say unto you,  
Love your enemies,  
bless them that curse you,  
do good to them that hate you,  
and pray for them  
which despitefully use you,  
and persecute you;  
(Matthew 5:43-44)**

6<

39

---

---

---

---

---

---

---

---

***References:***

**Mark 12:30-31**

73

40

---

---

---

---

---

---

---

---

**34 A new commandment  
I give unto you,  
That ye love one another;  
as I have loved you,  
that ye also love one another.  
35 By this shall all *men* know  
that ye are my disciples,  
if ye have love one to another.  
(John 13:34-35)**

74

41

---

---

---

---

---

---

---

---

**Love with God's love.**

75

42

---

---

---

---

---

---

---

---

***References:***

**I John 4:11-12**

**I John 4:20-21**

76

43

---

---

---

---

---

---

---

---

**Even though we cannot  
fully comprehend  
God's love,  
it is good to know  
that God loves us.**

77

44

---

---

---

---

---

---

---

---

**But as it is written,  
Eye hath not seen, nor ear heard,  
neither have entered into  
the heart of man,  
the things which God hath  
prepared for them  
that love him.  
(1 Corinthians 2:9)**

78

45

---

---

---

---

---

---

---

---



***References:***

**Ephesians 3:16-19**

79

46

---

---

---

---

---

---

---

---

***Concluding  
Scripture:***

**Behold, what manner  
of love the Father hath  
bestowed upon us,  
that we should be called  
the sons of God:  
therefore the world  
knoweth us not,  
because it knew him not.  
(1 John 3:1)**

7:

47

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) Love Is Sacrificial.**
- 2) Love Is Sinless.**
- 3) Love Destroys  
Devilish Works.**
- 4) Love Is For Everyone.**

7:

48

---

---

---

---

---

---

---

---